

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

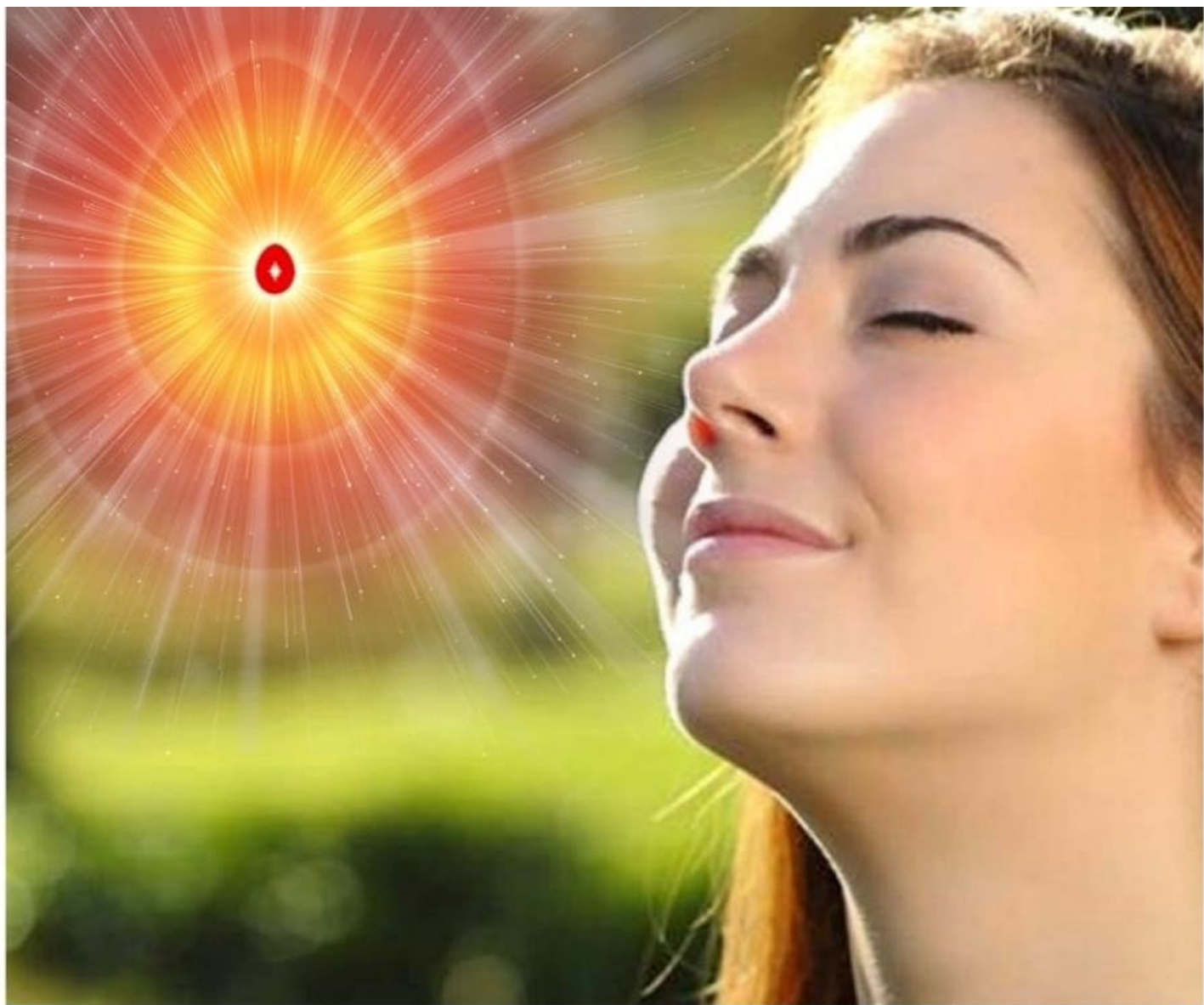
विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

सब का मंगल
हो





शिव भगवानुवाच: बच्चे, कोई से नाराज होकर कभी परमात्मा शिव से मुख नहीं मोड़ना। पास विद ऑनर होने के लिए पूरा पुरुषार्थ करना है।



Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper



कोई एक कर्मेन्द्रिय की आकर्षण भी एक बाप का बनने नहीं देगी। एकरस स्थिति में स्थित होने नहीं देगी। नम्बरवन में जाने नहीं देगी। अगर कोई हीरेजवाहर, महल-माड़िया छोड़ दे और सिर्फ कोई मिट्टी के फूटे हुए बर्तन में भी मोह रह जाए तो क्या होगा? जैसे हीरा अपनी तरफ आकर्षित करता वैसे हीरे से भी ज्यादा वह फूटा हुआ बर्तन उसको अपनी तरफ बार-बार आकर्षित करेगा। न चाहते भी बुद्धि बार-बार वहाँ भटकती रहेगी। ऐसे अगर कोई भी कर्मेन्द्रिय की आकर्षण रही हुई है तो श्रेष्ठ पद पाने से बार-बार नीचे ले आयेगी। तो पुराने घर और पुरानी सामग्री सबका त्याग चाहिए। ऐसे नहीं समझो यह तो बहुत थोड़ा है, लेकिन यह थोड़ा भी बहुत कुछ गंवाने वाला है, सम्पूर्ण त्याग चाहिए। इस पुरानी देह को बापदादा द्वारा मिली हुई 'अमानत' समझो। सेवा अर्थ कार्य में लगाना है। यह मेरी देह नहीं लेकिन सेवा अर्थ अमानत है। जैसे मेहमान बन देह में रह रहे हैं। थोड़े समय के लिए बापदादा ने कार्य के लिए आपको यह तन दिया है। तो आप क्या बन गये? मेहमान! मेरे-पन का त्याग और मेहमान समझ महान कार्य में लगाओ। मेहमान को क्या याद रहता है? असली घर याद रहता है या उसी में ही फँस जाते हो! तो आप सबका यह शरीर रूपी घर भी, यह फारिश्ता स्वरूप है, फिर देवता स्वरूप है। उसको याद करो। इस पुराने शरीर में ऐसे ही निवास करो जैसे बापदादा पुराने शरीर का आधार लेते हैं लेकिन शरीर में फँस नहीं जाते हैं। कर्म के लिए आधार लिया और फिर अपने फरिश्ते स्वरूप में स्थित हो जाओ। अपने निराकारी स्वरूप में स्थित हो जाओ। न्यारेपन की ऊपर की ऊँची स्थिति से नीचे साकार कर्मेन्द्रियों द्वारा कर्म करने लिए आओ, इसको कहा जाता है - 'मेहमान अर्थात् महान'। ऐसे रहते हो? त्याग का पहला कदम पूरा किया है?--03-04-1982



Achanak Aur Eveready





श्रेष्ठ प्रेरणा



श्रेष्ठ जीवन जीने के तरीके को
समझने के लिये तन की नहीं...
मन की आंखें खोलनी पड़ती हैं...
और यह आंखें खुलती हैं- मन की
सच्चाई और सफाई से...।



Download App - Learn Rajyoga Meditation



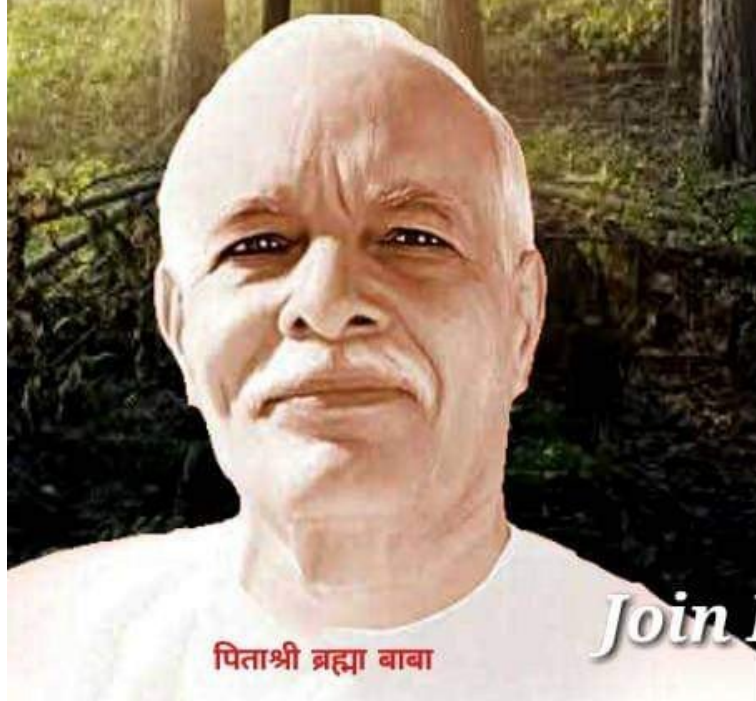
जो निर्मान बनते हैं
उन्हें स्वतः सर्व का मान
प्राप्त होता है

Those who are humble
receive everyone's respect
naturally



निराकार ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti




पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

The source of our happiness
is seeing each situation as
detached





‘Recognise the value
of each person

Everyone has their
own specialities

Everyone is good’

– Dadi Janki

GLOBALCOOPERATIONHOUSE.ORG



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org